आज मिति २०७१/१०/१२ गते त्रि.वि. मैथिली केन्द्रीय विभाग, जनकपुरधाम मा विभागीय प्रमुख प्रा.डा. प्रभाषा कुमारी मल्ली को अध्यक्षतामा बसेको मैथिली विषयको स्थायी समितिको बैठकमा निम्नानुसार उपस्थिति रहेको।

उपस्थिति

१) अध्यक्ष :- प्रा.डा. प्रभाषा कुमारी मल्ली →
२) सदस्य :- उप.प्रा. विश्वनाथ ठाकुर →
३) " :- " विनिता ठाकुर →
४) " :- " सुरेश कुमार सिंह →
५) " :- " विमल चन्द्र झा →
६) " :- प्रा.डा. पशुपतिनाथ झा →

प्रस्ताव:-

१) एम.ए. मैथिली विषयको पाठ्यक्रम सम्बन्धमा

निर्णय:

प्रस्ताव नं. १ माथि छलफल गर्दा एम.ए. मैथिली विषयको चारै सेमेस्टरको पाठ्यक्रम पुनः निर्माण गरि विषय जानकार प्राध्यापकको विषय र कोर्ष एक माथि गहन अध्ययन गरी व्यापक छलफल पश्चात र पुनः निर्मित नयाँ पाठ्यक्रम समय सापेक्ष देखिएकोले सो पाठ्यक्रमलाई स्थायी समिति बाट अनुमोदन गर्ने निर्णय गरियो।

Tribhuvan University
Faculty of Humanities & Social Sciences

Course of Study

Masters of Arts
In
Maithili

Maithili Subject Committee
2081

परिचय (Introduction)

ज्ञान विज्ञानक रूपमे पठनपाठन होइत आएल मैथिली साहित्यक परिवर्तित परिप्रेक्ष तथा समसामयिक वैश्विक सन्दर्भ मे युगक माँग आ सामजिक राष्ट्रीय आवश्यकता अनुसार शिक्षण विधि, विषय परिदृश्य तथा मूल्याङ्कन पद्धति मे परिवर्तन लाबि रोजगारमूलक दक्ष जनशक्ति उत्पादन करबाक उद्देश्यसँ एम.ए. सेमेष्टर प्रणाली लागू कएल गेल अछि।

नेपालक नवनिर्माण आ संरचना विकासक परिवर्तनकारी सन्दर्भमे देश समाज आगू बढ़ि रहल विषय आ तथ्यके गम्भिरतापूर्वक लैत ओहि अनुसार मैथिली विषय पठन-पाठनक व्यवस्था आ अध्ययन अनुसंधानके क्रममे आएल द्वन्द्व वा चुनौतीके उच्चतम समाधानक विश्वस्तरीय मापदण्ड प्रदान करैत, साहित्यके अर्थ-रोजगार तथा संचारसँ जोड़ि विश्व बजारमे सहजहि सम्मानपूर्वक खपत होवएबला दक्ष जनशक्ति प्राप्त करबाक उद्देश्य सेहो रहल अछि।

ज्ञान विज्ञान, सूचना-प्रविधि आ कला साहित्यक क्षेत्रमे व्यापक परिवर्तन आएल अछि आ एकर परिधि एवं व्याप्त संदर्भ एवं सरोकारमे आ मूल्य मान्यतामे सकारात्मक एवं रचनात्मक परिवर्तन आएल अछि। एहि सम्पूर्ण भावधारा आ विषय सन्दर्भके गम्भिरतापूर्वक लैत पुरान पठनपाठन पद्धति आ मूल्याङ्कन विधिमे सर्बथा नवीनता लाएब एकर उद्देश्य अछि। सृजनात्मक सहित उच्च स्तरके दक्ष जनशक्ति उत्पादन करैत, साहित्य-कला तथा संस्कृति-संचारके बजार विस्तार करैत, बजारमुखी कला विकासमे जोड़ दैत, कला बजारक आयतन आ परिधिके आओर विस्तार कए आय एवं रोजगार, विकास परिवर्तनके रचनात्मक एवं गद्यात्मक भावधारा निर्माण करब, आ सँगहि मैथिली विषय अध्ययन दिशि विद्यार्थीकि आकृष्ट करब सेहो एकर उद्देश्य रहल अछि।

तहगत उद्देश्य

एहि पाठ्यक्रमक समष्टिगत अद्योलिखित शैक्षिक एवं प्राज्ञिक योग्यता सम्पन्न उच्च स्तरक दक्ष जनशक्ति उत्पादन करब एकर मुख्य उद्देश्य होएत। एकर विशिष्ट उद्देश्य निम्नानुसार होएत:

- मैथिली भाषा एवं साहित्यमे भेल अद्यपर्यन्त सोधसँ उपलब्ध ज्ञानसँ मण्डित करब।
- विद्यार्थीलोकनिकेँ कोनो नव परिस्थिति आ परिवेशमे सामन्जस्य स्थापित करबाक लेल क्षमता प्रदान करब।
- शिक्षा क्षेत्रमे गुणात्मक स्तरक विकास कए, देश विदेशक कोनो विश्वविद्यालयक उत्पादनसँ श्रेष्ठ, योग्य जनशक्ति उत्पादन करब।
- एहि विषयसँ जीविकाक अवसर हस्तगत करबाक हेतु ज्ञान एवं कौशल प्रदान करब।
- मैथिली विषयमे दर्शनाचार्य एवं विद्यावारिधि उपाधिक लेल आधारभूत शैक्षिक पूर्वयोग्यता प्रदान करब।

विषयगत उद्देश्य

उपर्युक्त तहगत उद्देश्य प्राप्त करबाक सन्दर्भमे एहि पाठ्यक्रममे निर्धारित विभिन्न पाठ्यांशक उद्देश्य निम्नप्रकार रहल अछि:

- एहि पाठ्यक्रमद्वारा अध्येता लोकनिकेँ साहित्यिक विकास क्रममे एकर विभिन्न युगीन रचनाशैली, युगीन रचना प्रवृत्ति, प्रमुख रचनाकार तथा हुनका लोकनिक कृतिक समीक्षात्मक ज्ञानसँ मण्डित करब एहि पाठ्यक्रमक उद्देश्य होएत।
- मैथिली लोक साहित्य सनातन साहित्य अछि आ एकर आयाम, परिधि आ परम्परा अति विस्तृत अछि। जीवन आ समाजसँ बहुत गाढ़ आ गहिर सम्बन्ध रहल एहि अति विशिष्ट साहित्यकेँ विस्तृत अध्ययन एवं मूल्याङ्कन करैत, लोकदर्शन आ अटुट परम्परा तथा खेल, मनोरंजन भाव-धाराकेँ विस्तृत एवं समीक्षात्मक परिचय कराएब अछि।
- पद्य साहित्यक तीनू विधा (काव्य, महाकाव्य आ खण्डकाव्य)क प्रमुख रचना एवं रचनाकारक परिचयक सँग समालोचनात्मक क्षमताक अभिवृद्धि करब।
- मैथिली नाटकक विकासक्रम, रचना प्रकृया, ओकर वैशिष्ट रचनाशैली एवं ओकर विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक क्षमताक अभिवृद्धि करब।
- शोधप्रविधि सम्बन्धी आवश्यक ज्ञानसँ परिचित कराएब, तत्पश्चात शोधकार्य करबाक हेतु आवश्यक भूमिका प्रस्तुत करब।

विद्यार्थी प्रवेश योग्यता एवं भर्ना व्यवस्था

त्रि.वि. वा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयसँ कोनहुँ विषयमे स्नातक तह (3/4 वर्षे) उत्तीर्ण व्यक्ति निर्धारित आधार एवं प्रवेशसम्बन्धी प्रकृया पूरा क' एम.ए. तहमे भर्ना हेतु योग्य मानल जाएत।

अवधि एवं परीक्षा

दू वर्षक चारि सेमेष्टरक एम.ए. मैथिली विषयक अध्ययन अध्यापन कराओल जाएत।

- प्रत्येक Core-course 100 पूर्णाङ्क रहत। ई 100 अंक 60-40 मे विभाजित होएत। सेमेष्टरक अन्तमे त्रि.वि.द्वारा लेल जाएबला परीक्षाक अंकभार 60 होएत। 40 अंक आन्तरिक मूल्यांकनक आधारपर प्रदान कएल जाएत जे कक्षामे नियमित उपस्थिति, सहभागिता, प्रस्तुतीकरण, निपूणता आ टर्म-पेपर, आन्तरिक लिखित परीक्षा आदिक आधारपर अंक प्रदान कएल जाएत।
- एक सेमेष्टरमे कम्तीमे 80 प्रतिशत हाजिरी अनिवार्य कएल गेल अछि। आन्तरिक मूल्यांकनमे अनुत्तीर्ण विद्यार्थी अन्तिम परीक्षामे सहभागी नहि भ' सकत।

शैक्षिक परिषद्को कार्यालय
कीर्तिपुर

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकायको कार्यालय कीर्तिपुर

- सेमेष्टरक अन्तमे परीक्षा लेल जाएत आ प्रत्येक कोर्षक पूर्णाङ्क 100 रहत। उत्तीर्णाङ्क 50 मानल जाएत।

Letter Grade	Marks in Percent	GPA	Evaluation	Definition
A	90 and above	4.0	Outstanding	Exceptional performance and mastery of the subject
A-	80-89.9	3.7	Excellent	Superior understanding and in-depth knowledge of the subjects
B+	70-79.9	3.3	Very good	Comprehensive understanding of the subject and advance knowledge of principles and practice in the discipline
B	60-69.9	3.0	Good	Adequate performance in achieving course objectives, with satisfactory knowledge of principles and practice in the discipline
B-	50-59.9	2.7	Satisfactory	Sufficient master of the subject
F	Below 50	00	Failure	Minimum objectives of the course are not achieved.

पाठ्यक्रमक रूपरेखा

प्रथम सेमेष्टर

Course code	Course Title	Credit hour (CH)	Teaching hours (TH)
Mai 501	मैथिली साहित्यक इतिहास	3	48
Mai 502	मैथिली लोक साहित्य	3	48
Mai 503	मैथिली पद्य साहित्य	3	48
Mai 504	मैथिली नाट्य साहित्य	3	48
Mai 505	शोध प्रविधि	3	48
	Total	15	240

द्वितीय सेमेष्टर

Course code	Course Title	Credit hour (CH)	Teaching hours (TH)
Mai 551	मैथिली कथा साहित्य	3	48
Mai 552	मैथिली उपन्यास	3	48
Mai 553	सिद्धान्त साहित्य एवं समीक्षा	3	48
Mai 554	भाषाशास्त्र एवं मैथिली भाषा	3	48
Mai 555	मैथिली निबन्ध साहित्य	3	48
	Total	15	240

तृतीय सेमेष्टर

Course code	Course Title	Credit hour (CH)	Teaching hours (TH)
Mai 601	मैथिली पत्रकारिता	3	48
Mai 602	नेपालीय मैथिली साहित्य	3	48
Mai 603	कवि विशेष: (क) विद्यापति (ख) डा. धीरेन्द्र	3	48
Mai 604	युग विशेष: मल्लकालीन मैथिली साहित्य	3	48
Mai 605	मैथिली काव्य: प्राचिन, मध्य, आधुनिक	3	48
	Total	15	240

चतुर्थ सेमेष्टर

Course code	Course Title	Credit hour (CH)	Teaching hours (TH)
Mai 651	मिथिलाक संस्कार साहित्य	3	48
Mai 652	समालोचना सिद्धान्त	3	48
Mai 653	१) विश्व साहित्य	3	48
	२) मिथिलाक धार्मिक महिमा एवं पर्यटन	3	48
Mai 654	मैथिली बाल साहित्य	3	48
Mai 655	शोधपत्र	6	96
	Total	18	288

	Grand Total	**Credit Hours (CH): 63**	**Teaching hours (TH): 1008**

Mai 501 मैथिली साहित्यक इतिहास **CH (3) – T (48)**

पाठ्यांशक उद्देश्य

- काल विभाजनक आधार, प्रयोजन एवं एहिसँ सम्बन्धित विभिन्न विद्वान लोकनिक विचार तथा ओकर समीक्षात्मक ज्ञानसँ परिचित कराओल जाएत।
- प्राचिनकालक उपलब्ध सामग्री एवं ओकर रचनाकार लोकनिक परिचय देल जाएत।
- विद्यापतिक युगक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक परिस्थिति, हुनक प्रमुख कृति तथा हुनक प्रभावसँ परिचित कराओल जाएत।
- नेपालमे रचित मध्यकालिन मैथिली रचना साहित्यक परिचयक सँगहि मिथिलामे रचित कीर्तनिया नाटकक रचनाक पृष्ठभूमि, प्रदिद्ध कीर्तनिया नाट ओ नाटक लेखक लोकनिसँ परिचित कराओल जाएत।
- आधुनिक कालमे रचित गद्य एवं पद्यक रचनाक्रम, ओकर स्वरूप एवं पृष्ठभूमिसँ अवगत कराओल जाएत।

Brief Courses of Study

Units	Introduction	Teaching hours
Unit I	मैथिली साहित्यक काल विभाजनक आधार एवं औचित्य	8
Unit II	आदिकाल	8
Unit III	विद्यापति काल	8
Unit IV	मध्यकाल	8
Unit V	आधुनिक काल	8
Unit VI	समकालिन मैथिली साहित्य	8
		Total: 48

Detailed Course of Study

Units	Introduction	Teaching hours
Unit I	मैथिली साहित्यक काल विभाजनक आधार एवं औचित्य काल विभाजनक कारण विभिन्न विद्वानक अभिमत विभिन्न कालखण्डक विशेषता	8
Unit II	आदिकाल मैथिली साहित्य सिद्ध साहित्य आ चर्यापद ज्योतिरीश्वर: वर्णरत्नाकर आ धूर्तसमागम	8
Unit III	विद्यापति काल विद्यापति विद्यापति कालिन मिथिला आ मैथिली विद्यापतिक कृतित्व एवं व्यक्तित्व विविध रचनागत वैशिष्ट विद्यापतिक प्रभाव आ प्रभुत्व [illegible]	8

	उमापति लोचन हर्षनाथ	
Unit IV	मध्यकाल नेपाल: जगज्योतिर्मल्ल, जगतप्रकाश मल्ल, सिद्धिनरसिंह मल्ल, वंशमणि झा मिथिला: कीर्तनिया नाटक एवं नाटककार आ गीतकारलोकनि, मध्यकालिन गद्य	8
Unit V	आधुनिक काल कविता, गीत, गजल नाटक, एकांकी कथा, लघुकथा, उपन्यास आम सञ्चार	8
Unit VI	समकालिन मैथिली साहित्य नेपालीय (वि.सं. २०४६ पश्चातक) साहित्य भारतीय (सन् १९९० पश्चातक) साहित्य	8
		Total: 48

<u>पाठ्यपुस्तक</u>

झा, दिनेश कुमार (1989) *मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास.* द्वितीय संस्करण. पटनाः मैथिली अकादमी।

झा, दुर्गानाथ 'श्रीश' (1991) *मैथिली साहित्यक इतिहास.* नवीनतम संस्करण. दरभंगाः भारती पुस्तक केन्द्र।

झा, बाल गोविन्द 'व्यथित' (1988) *मैथिली साहित्यक इतिहास.* द्वितीय संसकरण. दरभंगाः मिथिलाञ्चल प्रकाशन।

झा, वादुकी नाथ (सं.) (2006) *मैथिली साहित्य रूपरेखा.* पटनाः चेतना समिति।

ठाकुर, उपेन्द्र (1992) *मिथिलाक इतिहास.* द्वितीय संस्करण. पटनाः मैथिली अकादमी।

दास, वासुदेव लाल (2070 वि.सं.) *मिथिलाको व्यवहारिक परिचय.* वीरगंगः भारती निलय प्रकाशन।

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (2019) *मैथिली साहित्यक इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल).* दरभंगाः ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय।

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (2019) *मैथिली साहित्यक इतिहास (आधुनिक काल).* दरभंगाः ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय।

मिश्र जयकान्त (1988) *मैथिली साहित्यक इतिहास.* दिल्लीः साहित्य अकादेमी।

सिंह, प्रफुल्ल कुमार 'मौन' (1972) *नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास.* प्रथम संस्करण. विराटनगरः मैथिली साहित्य परिषद।

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय डीनको कार्यालय कीर्तिपुर

Mai 502 मैथिली लोक साहित्य **CH (3) – T (48)**

पाठ्यांशक उद्देश्य

- लोक साहित्य सैद्धान्तिक विवेचना एवं विश्लेषण पक्षसँ अवगत कराओल जाएत, मिथिला एवं मैथिली लोक जीवनक विस्तृत आयामसँ परिचित कराओल जाएत।
- मैथिली लोक गीत, धार्मिक गीत, संस्कार गीत, ॠतु गीत, व्यवहार गीत, व्यवसाय गीत, शिशु गीत, एवं अन्य विविध गीतक अध्ययन कराओल जाएत।
- लोक गीतमे मिथिलाक जीवन एवं लोक गीतमे वर्णित नारी जीवन तथा प्रकृति चित्रणसँ परिचित कराओल जाएत।
- मैथिली लोक नाट्य साहित्य परम्परा, वर्गीकरण, विशेषता, निर्धारित लोक नाट्य कथा वस्तु, पात्र, संवाद, योजना, गीत, प्रहसन, एवं भाषा शैली आदि पक्षसँ परिचित कराओल जाएत।
- लोक गीतक भाषा शैली, भाव ओ रस, अलंकार योजना, छन्द योजना, लोक गीतक महत्त्व आ विलक्षणतासँ परिचित कराओल जाएत।
- मिथिलाक अन्य विविध साहित्य लोकोक्ति, मोहावरा, कहवी, बुझौअलि, आदिसँ परिचित कराओल जाएत।

Brief Courses of Study

Units	Introduction	Teaching hours
Unit I	मैथिली लोक साहित्यक	10
Unit II	मैथिली लोक गीत	10
Unit III	मैथिली लोक गाथा	10
Unit IV	मैथिली लोक नाट्य	10
Unit V	मैथिली लोककथा/खिस्सा पेहानी	8
		Total: 48

Detailed Course of Study

Units	Introduction	Teaching hours
Unit I	मैथिली लोक साहित्यक परिचय, परिभाषा परम्परा, लोकजीवन आ लोक साहित्य	10
Unit II	मैथिली लोक गीत मिथिलाक संस्कार, संस्कृति आ लोक साहित्य लोक गीतक परम्परा, भेद, वर्गीकरण लोक गीतमे मिथिलाक जीवन लोकगीत आ आधुनिक गीत	10
Unit III	मैथिली लोक गाथा परिचय आ परम्परा, वर्गीकरण, भेद आ सामान्य विशेषता सलहेस, लोरिक, दीनाभद्री, गोपीचन्द्र	10

Unit IV	मैथिली लोक नाट्य परिचय आ परम्परा मिथिला क्षेत्रक प्रमुख नाटकः सामाचकेवा, जट-जटिन, झिझिया	10
Unit V	मैथिली लोककथा/खिस्सा पेहानी परिचय, महत्त्व आ विशेषता लोक कथाक वर्गीकरण शिक्षा, उपदेश, मनोरञ्जन, बुझौअलि	8
		Total: 48

<u>पाठ्यपुस्तक</u>

कापड़ि, राम भरोस 'भ्रमर' (2066 वि.सं.) *मैथिली लोक संस्कृति.* जनकपुरः जनकपुर ललितकला प्रतिष्ठान।

ठाकुर, वीणा (2012) *मैथिली गीत साहित्यक विकास आ परम्परा.* पटनाः मैथिली अकादमी।

मिश्र, जयकान्त (2011) *मिथिलाक लोक साहित्यक भूमिका.* पटनाः शेखर प्रकाशन।

मिश्र, ताराकान्त (2017) *मैथिली लोक साहित्यका अध्ययन.* दिल्लीः नेशनल पब्लिसिङ हाउस।

मिश्र, विश्वेश्वर (2007) *मैथिली लोकगाथा विवेचना.* पटनाः मैथिली अकादमी।

लाल, रेवतीरमण (2065 वि.सं.) *मिथिलाक संस्कृतिक परम्परा.* जनकपुरः रमानन्द युवा क्लव।

लाल, रेवतीरमण (2065 वि.सं.) *मैथिली लोक साहित्यक स्वरूप.* जनकपुरः सीता मिडिया प्रा.लि.।

सिंह, प्रेम शंकर (सं.) (2006) *मैथिली लोकगाथाक इतिहास.* कोलकाताः कर्ण गोष्ठी।

प्राज्ञिक परिषद्को कार्यालय
कीर्तिपुर

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र डिनको कार्यालय
कीर्तिपुर

Mai 503 मैथिली पद्य साहित्य **CH (3) – T (48)**

पाठ्यांशक उद्देश्य

- मैथिली कविताक साहित्यिक परिचयक संगहि विश्लेषणात्मक आ विवेचनात्मक प्रतिभामे निखार लएबाक प्रयास कएल जाएत, सँगहि नेपालक रचनाकारसँ परिचय कराओल जाएत।
- मैथिली महाकाव्यक विश्लेषणात्मक परिचयक सँगहि समीक्षात्मक अभिवृद्धि कएल जाएत।
- मैथिली खण्डकाव्यक परिचयक सँग विश्लेषणात्मक एवं समीक्षा कौशलमे परिपक्वता अनबाक प्रयास कएल जाएत।

Brief Courses of Study

Units	Introduction	Teaching hours
Unit I	काव्य (कविता)	20
Unit II	महाकाव्य	20
Unit III	खण्डकाव्य	8
		Total: 48

Detailed Course of Study

Units	Introduction		Teaching hours
Unit I	काव्य (कविता)		20
	विद्यापति:	गोसाउनिक गीत, शक्ति बन्दना, नटराज, हर-हरि, विरहणी	
	उमापति:	पाषाण-हृदया	
	गोविन्द दास:	नवधा, कुसुम बन्दना, प्रेमक महिमा	
	चन्दा झा:	तीन गाही मुक्तक, तिरहुति प्रशंसा	
	सीताराम:	सूक्ति सुधा	
	जगज्ज्योतिर्मल्ल:	सूर्यक नचारी, गणेशक नचारी	
	डा. धीरेन्द्र:	कुहेस	
	डा. राजेन्द्र विमल:	जा धरि आ कहिया धरि	
	राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर':	हमरा अपन घर चाही	
	उपाध्याय भूषण:	चिंतन चौबटिया	
	रेवती रमण लाल:	अहाँक रूप	
Unit II	महाकाव्य कृष्णजन्म मिथिलाभाषा रामायण (सुन्दरकाण्ड)		20

Unit III	खण्डकाव्य व्यथा	8
		Total: 48

<u>पाठ्यपुस्तक</u>

कापड़ि, राम भरोस 'भ्रमर' (सं.) (2058 वि.सं.) *मैथिली कविता संग्रह.* काठमाडौः नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान।

झा, चन्दा 'कविश्वर'(1987) *मिथिला भाषा रामायण.* द्वितीय संस्करण पटनाः मैथिली अकादमी।

झा, भीमनाथ (1985) *परिचायिका.* पटनाः भवानी प्रकाशन।

झा, रमाकान्त (2061 वि.सं.) *व्यथा.* द्वितीय संसकरण. जनकपुरधामः श्रीमती महालक्ष्मी देवी झा।

झा, शशिनाथ (2020) *मनबोधकवि कृत कृष्णजन्म* (प्रबन्धकाव्य). झंझारपुरः ब्राह्मी प्रकाशन।

झा, शिव शंकर 'कान्त' (1978) *मैथिली महाकाव्यक उद्भव आ विकास.* पटनाः मैथिली अकादमी।

झा, सुरेन्द्र 'सुमन' (सं.) (1988) कृष्णजन्म. दरभंगाः मैथिली मन्दिर मिथिला प्रेस।

झा, सुरेश्वर (1998) *मैथिली काव्यक विकास.* दिल्लीः साहित्य अकादेमी।

मिश्र, आनन्द एवं अन्य (सं.) (1992) *कविता संग्रह.* सप्तम संस्करण. पटनाः मैथिली अकादमी.

मिश्र, धीरेन्द्र नाथ (1983) *परिचय प्रसुन.* पटनाः वैदेही पुस्तक भण्डार।

प्राज्ञिक परिषद्को कार्यालय कीर्तिपुर

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय डीनको कार्यालय कीर्तिपुर

Mai 504 मैथिली नाट्य साहित्य **CH (3) – T (48)**

<u>**पाठ्यांशक उद्देश्य**</u>

- मैथिली नाटकक विकासक स्थिति, ओकर वैशिष्ट्य एवं रचनाशैली तथा नाटकीय तत्वसँ परिचित कराओल जाएत।
- मैथिली नाटक एवं एकांकीक अध्ययनक सँगहि दुनू विधाक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक शक्तिक अभिवृद्धि कराओल जाएत।
- निर्धारित नाटक एवं एकांकीक कथा वस्तु, व्याख्या, सारांश, विश्लेषण, चरित्र चित्रण एवं समीक्षा कौशलक अभिवृद्धि कराओल जाएत।

Courses of Study

Units	Introduction	Teaching hours
Unit I	एकटा आओर वसन्त लेटाइत आँचर	20
Unit II	ओकरा आङ्गनक बारहमासा	6
Unit III	अन्तिम प्रणाम	6
Unit IV	जीवन संघर्ष, कर्ण, हाथीक दाँत	8
Unit V	पहिली तारिख, डाइन कोशी, शस्त्र ओ शास्त्र	8
		Total: 48

<u>**पाठ्यपुस्तक**</u>

कापड़ि, राम भरोस 'भ्रमर' (2001) *एकटा आओर वसन्त.* दोसर संस्करण. जनकपुरधामः सूरज प्रकाशन।

चौधरी, सुधांशु शेखर (1991) *लेटाइत आँचर.* दोसर संस्करण. पटनाः शेखर प्रकाशन।

झा, गोविन्द (1982) *अंतिम प्रणाम.* पटनाः चेतना समिति।

झा, सुरेन्द्र 'सुमन' एवं अन्य (सं.) (1986) *एकांकी संग्रह.* तृतीय संस्करण. पटनाः मैथिली अकादमी।

मलंगिया, महेन्द्र (1980) *ओकरा आँगनक बारहमासा.* पटनाः चेतना समिति।

मिश्र, लेखनाथ (1920) *मैथिली नाटकक उद्भव आ विकास.* पटनाः गरीब निवास।

प्राज्ञिक परिषद्को कार्यालय
कीर्तिपुर
मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय
डिनको कार्यालय
कीर्तिपुर

Mai 505 शोध प्रविधि **CH (3) – T (48)**

<u>पाठ्यांशक उद्देश्य</u>

- शोध प्रविधि सम्बन्धी आवश्यक तत्वसँ परिचित कराओल जाएत, शोध प्रवृत्ति जागृत कए शोध कार्य करबाक प्राविधिक आधार प्रदान कएल जाएत।
- अन्वेषणात्मक बुद्धि जागरण कएल जाएत।

Brief Courses of Study

Units	Introduction	Teaching hours
Unit I	अनुसंधानक अवधारणा आ परिचय (Concept & Introduction)	8
Unit II	अनुसंधान प्रस्ताव (Research proposal)	8
Unit III	साहित्य, सामग्री संकल आ एकर पद्धति	8
Unit IV	अनुसंधान ढाँचा (Research Design)	8
Unit V	तथ्यांक एवं एकर संकलन विधि	8
Unit VI	अनुसंधान प्रतिवेदन (Research Report)	8
		Total: 48

Detailed Courses of Study

Units	Introduction	Teaching hours
Unit I	अनुसंधानक अवधारणा आ परिचय (Concept & Introduction) परिभाषा आ अभिप्राय विशेषता आ क्षेत्र भाषिक आ साहित्यिक अनुसंधान शैक्षिक अनुसंधान कला आ संस्कृति सम्बन्धी अनुसंधान	8
Unit II	अनुसंधान प्रस्ताव (Research proposal) परिचय शोध शीर्षक समस्या कथन अध्ययनक उद्देश्य पूर्व कार्य समीक्षा परिकल्पना निर्माण परिभाषा, मान्यता, सीमितता आ सीमा अध्ययन ढाँचा आ विधि कार्ययोजना, समयावधि, बजेट, अनुसूचि	8
Unit III	साहित्य, सामग्री संकल आ एकर पद्धति परिचय सामग्रीक स्रोत प्राथमिक स्रोत	8

	द्वितीय स्रोत सामग्री संकलनक पद्धति पुस्तकालय पद्धति प्रयोगशालीय पद्धति क्षेत्रीय अध्ययन पद्धति नमुना छनौट पद्धति टिपोट	
Unit IV	अनुसंधान ढाँचा (Research Design) परिचय परिभाषा अनुसंधान ढाँचाक आवश्यकता उत्तम अनुसंधानक विशेषता	8
Unit V	तथ्यांक विश्लेषण विधि परिचय परिभाषीकरण सामग्रीक वर्गीकरण गुणात्मक आधार परिमाणात्मक आधार परिस्थितिक आधार भौगोलिक आधार सामग्री व्यवस्थापन तालिकीकरण तथ्यांकन सत्यापन विश्लेषण अर्थापन खण्डन-मण्डन तथा अन्वय- व्यतिरेक तुलना-प्रतितुलना	8
Unit VI	अनुसंधान प्रतिवेदन (Research Report) प्रतिवेदनक आधारभूत खाका प्रारम्भिक खण्ड अनुसंधान प्रतिवेदनक मुख्य खण्ड सन्दर्भ खण्ड प्रतिवेदन लेखनक ढाँचा पाद टिप्पणी प्रतिवेदन टंकन आ प्रकाशन अनुसंधान प्रतिवेदन मूल्यांकन	8
		Total: 48

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय डिनको कार्यालय कीर्तिपुर

...निक परिषद्को कार्यालय कीर्तिपुर

<u>पाठ्यपुस्तक</u>

खनाल, पेशल (2067 वि.सं.) *शैक्षिक अनुसंधान पद्धति.* चौंथो संस्करण. काठमाडौः सनलाइट पब्लिकेसन।

दाहाल, पेशल आ सोमप्रसाद खतिवडा (2058 वि.सं.) *अनुसंधान पद्धति.* काठमाडौः एम.के. पब्लिसर्स एण्ड डिस्ट्रिब्युटर्स।

शर्मा, मोहन राज आ खगेन्द्र प्रसाद लुइटेल (2062 वि.सं.) *शोध विधि.* तेस्रो संस्करण. काठमाडौः साझा प्रकाशन।

शिवाकोटी, गोपाल (2075 वि.सं.) *अनुसंधान पद्धति र प्रतिवेदन लेखन.* पाँचौ संस्करण. काठमाडौः पैरवी प्रकाशन।

Kothari, C.R. 1990. *Research Methodology: Methods and Techniques.* 2nd edition. New Age International (P) Ltd.

Kumar, Ranjit. 2011. *Research Methodology: A Step-by-Step Guide for Beginners.* 3rd edition. SAGE Publications.

प्राविधिक परिषद्को कार्यालय
कीर्तिपुर